# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 318 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 25 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

यदि भगवान छुआछूत को मानता है तो मैं उसे भगवान नहीं कहूंगा।

-बाल गंगाधर तिलक


नये अंदाज में दिखे कुमार विश्वास, सियासत... 8 | रथयात्राओं से उत्तर प्रदेश में... 3 | रंग-बिरंगी रोशनी से नहाए... 7


# भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह बोले, सभी आतंकी मुसलमान, विपक्ष भड़का

» बहराइच में सार्वजनिक मंच से दिया विवादित बयान

» विपक्ष बोला, हार के डर से सांप्रदायिकता का जहर फैला रही भाजपा

» प्रदेश की जनता चुनाव में कर देगी भाजपा का सफाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा के कैसरगंज से सांसद बृजभूषण शरण सिंह के मुस्लिम समुदाय को लेकर दिए गए विवादित बयान पर प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्ष ने सांसद के बयान को लेकर भाजपा पर जमकर हमला किया है। विपक्ष ने कहा है कि भाजपा चुनाव से पहले प्रदेश में सांप्रदायिकता और ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही है लेकिन काठ ही हांडी हर बार नहीं चढ़ती। प्रदेश की जनता बेहद समझदार है और इसका जवाब वह भाजपा को चुनाव में देगी।

प्रदेश में सियासी उबाल तब आया जब बहराइच में एक सभा को संबोधित करते हुए कैसरगंज सांसद एवं अखिल भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने मुस्लिम समुदाय को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैं सभी मुसलमानों पर आरोप नहीं लगा रहा हूं लेकिन यह सत्य है कि जितने आतंकवादी हैं वह मुसलमान ही हैं। आजादी के बाद जिन्ना तना और मूल तो ले गए लेकिन जड़ देह छोड़ गए, जिसका खामियाजा आज देश भुगत रहा है। उन्होंने कर्नल पुरोहित और साध्वी प्रज्ञा का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हें आतंकवादी करार देने में कांग्रेस ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में जब सपा की सरकार थी तब केंद्र सरकार ने दो रुपये यूनिट बिजली देने को कहा था लेकिन अखिलेश ने केंद्र सरकार से बिजली न लेकर निजी कंपनियों से सात रुपये यूनिट बिजली ली इसीलिए उस समय चार घंटे बिजली आती थी। अब हमारी सरकार केंद्र से बिजली खरीदती है, इसीलिए 20 घंटे बिजली आ रही है अगर हमारी बात में दम न हो तो अखिलेश से जाकर कह देना कि हमारे ऊपर मुकदमा दर्ज करा दें। मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाने पर विपक्ष ने सांसद और भाजपा दोनों को आड़े हाथों लिया है। विपक्ष का कहना है कि हार के डर के कारण भाजपा अब प्रदेश में सांप्रदायिक उन्माद भड़काना चाहती है। लिहाजा वह अब हिंदू-मुसलमान कर रही है। इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा।

“भाजपा हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। लिहाजा वह हिंदू और मुसलमान कर रही है लेकिन प्रदेश की जनता बहुत समझदार है। अब भाजपा का यह दांव नहीं चलने वाला है। इस बार का चुनाव विकास के मुद्दे पर होगा और प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया कर देगी।

आईपी सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता, सपा

“हार के डर से भाजपा और उसके नेता हताश-निराश हो चुके हैं। चंदा चोरी के बाद अब उन्हें भगवान राम पर भी विश्वास नहीं रहा इसलिए हिंदू-मुसलमान कर रहे हैं। चुनाव महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के मुद्दे पर होगा।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

“भाजपा के पास बताने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वह सांप्रदायिकता और ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है लेकिन काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। इसका जवाब प्रदेश की जनता आगामी विधान सभा चुनाव में देगी।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

“चुनाव सिर पर हैं, ऐसे में भाजपा के पास बताने के लिए भ्रष्टाचार और नफरत फैलाने के कामों के अलावा कुछ और है नहीं, लिहाजा पाकिस्तान, आतंकवादी, जिन्ना, बाबर आदि का सहारा ले रही है। इनके नेताओं के जहरीले भाषणों का सिलसिला शुरू हो गया है। किसानों को भी भाजपा आतंकवादी बता देती है। वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

# ओमिक्रॉन की रफ्तार ने बढ़ायी टेंशन, दस राज्यों में भेजी जाएंगी टीमें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लगातार बढ़ायी जा रहीं पाबंदियां, यूपी में आज रात से नाइट कर्फ्यू

» 17 राज्यों तक फैला वायरस अब तक 415 मरीज मिले

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की रफ्तार लगातार बढ़ती जा रही है। इसने अब तक देश के 17 राज्यों में दस्तक दे दी है। अभी तक 415 मरीज सामने आ चुके हैं। इस नए संकट का सबसे ज्यादा खतरा दिल्ली, महाराष्ट्र और गुजरात में हैं। इसके खतरे को देखते हुए राज्य सरकारों ने पाबंदियों का सिलसिला शुरू कर दिया है। यूपी में आज से रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके साथ केंद्र सरकार ने ऐसे 10 राज्यों की सूची बनाई है जहां टीकाकरण की रफ्तार काफी धीमी है। इन राज्यों में केंद्र की ओर से टीमें भेजी जाएंगी।

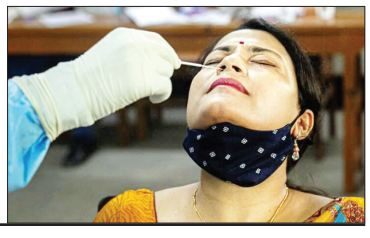

केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, कर्नाटक, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पंजाब में टीम भेजी जाएगी। संक्रमण की भयावहता को देखते हुए हरियाणा, मध्यप्रदेश, यूपी, कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं पिछले 24 घंटे में 7,189 कोरोना के नए संक्रमित मरीज मिले हैं। 140.01 करोड़ डोज लगाई जा चुकी है।

## रायबरेली में संक्रमित मिलने से हड़कंप

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में ओमिक्रॉन का तीसरा केस मिलने से हलचल मच गई है। अमेरिका से एक सप्ताह पहले लौटी महिला कोरोना संक्रमित मिली थी। उसकी जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। इससे पहले गाजियाबाद में दो मामले सामने आ चुके हैं। शहर के कहारों का अड्डा निवासी महिला 13 दिसंबर को अमेरिका से लौटी थी। उसी दिन आनंद नगर निवासी शख्स नाइजीरिया से वापस आया था। दोनों की आरटीपीसीआर जांच कराई गई थी, जिसकी रिपोर्ट 16 दिसंबर को आई थी। महिला में कोरोना की पुष्टि हुई थी लेकिन शख्स संक्रमित नहीं मिला था। जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए दोबारा उसके सैंपल लैब भेजे गए। आज मिली रिपोर्ट में महिला में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। अभी संक्रमित महिला को होम आइसोलट किया गया है। उसके सम्पर्क में आने वाले लोगों की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग ने टीम भेज दी है।

# भाजपा अब कर रही साजिश : अखिलेश

## सरकारी एजेंसियों को उतार दिया है चुनाव मैदान में, प्रदेश में एक यूनिट नहीं किया गया बिजली का उत्पादन

» कानून व्यवस्था ध्वस्त चरम पर पहुंची महंगाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा की जनसभाओं में उमड़ते जनसैलाब और विपक्ष में बढ़ती स्वीकार्यता के चलते भाजपा खेमें में खलबली मची हुई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जमीन खिसक चुकी है यह सच सभी को दिखाई पड़ने लगा है। हार के डर से भाजपा नेतृत्व बौखलाया हुआ है। इससे वह अब साजिश पर उतर आई है। सीबीआई, ईडी, आईटी, का ही अब उसे सहारा रह गया है क्योंकि जनता ने तो उसे पहले से ही खारिज कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपना जनसमर्थन खोने से डरी है इसलिए तथ्यहीन झूठे और भ्रामक प्रचार की आड़ में राजनीति करना चाहती है। भाजपा ने अपने पूरे कार्यकाल में जनहित का कोई काम नहीं किया। एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं किया। अस्पतालों का शिलान्यास और लोकार्पण कर दिया पर उनमें चिकित्सा की कोई व्यवस्था नहीं की। एम्बुलेंस सेवा 108, महिलाओं के लिए 102 सेवा और 1090 वूमेन पावर लाइन सब बर्बाद कर दी गई।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भाजपा सरकार की संवेदनहीनता के फलस्वरूप हजारों लोगों की मौत अस्पतालों में इलाज, दवा, ऑक्सीजन के अभाव में हो गई। श्रमिकों का तमाम दुश्वारियों से पाला पड़ा। आम जनता को डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस सहित खाने पीने की चीजों की महंगाई याद है। दलितों, पिछड़ों को आरक्षण के साथ साजिशें की। नौजवानों को लैपटाप, टेबलेट देने का वादा झूठा साबित हुआ। भाजपा ने खुद अपने संकल्प पत्र को ही कूड़े के ढेर में फेंक दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कानून व्यवस्था के मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही है। इस सरकार ने फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों का रिकार्ड बनाया है। न्यूयार्क की तर्ज पर बनी यूपी डायल 100 सेवा बर्बाद कर दी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाएं थम नहीं रही हैं। सच यह है कि भाजपा ने अपनी कोई योजना नहीं चलाई, समाजवादी पार्टी के कामों को ही अपना बता रही है। वह केवल षडयंत्र, अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार ही करती रही है। प्रदेश की जनता इसे भूल नहीं सकती। 2022 के विधान सभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर कर अपना हिसाब चुकता कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए संकल्पित है।

# यूपी में आप की सरकार बनी तो बिजली बिल होगा माफ : संजय सिंह

» राज्यसभा सांसद व आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

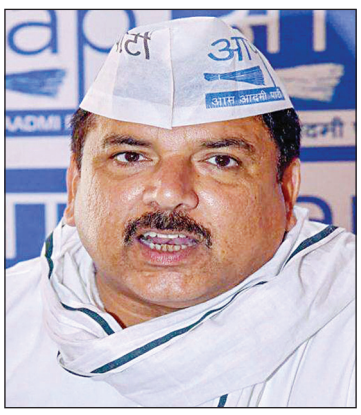

वाराणसी। राज्यसभा सांसद व आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो पुराने बिजली बिल को माफ कर दिया जाएगा तथा तीन सौ यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। किसानों के उत्पादन का तुरंत भुगतान होगा। संजय सिंह ने शुक्रवार को शास्त्री घाट पर आयोजित लोकतांत्रिक जनवादी पार्टी के तीसरे स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हम जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। इसे दिल्ली में देखा जा सकता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने कहा कि पार्टी स्थापना काल से किसानों, शोषितों व वंचितों की लड़ाई लड़ती आ रही है। स्थापना दिवस समारोह में पार्टी के कर्मठ पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से प्रोन्नति दी गई। इसके तहत कोषाध्यक्ष विनोद अग्रहरि को राष्ट्रीय महासचिव व राष्ट्रीय संगठन प्रभारी तथा प्रदेश महासचिव चंद्रभान सिंह तूफानी को सामान्य वर्ग प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा लेखराज पटेल को जिलाध्यक्ष, करन पटेल को युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश महासचिव, अंजुमन को जिलाध्यक्ष से महिला मोर्चा को प्रदेश महासचिव, सुरेश पटेल को प्रदेश उपाध्यक्ष, नीतीश गुप्ता को प्रदेश प्रभारी, शिवकुमार भूपत को सचिव से महासचिव, चंद्रभूषण पटेल को प्रदेश महासचिव से राष्ट्रीय सचिव, मुरलीधर श्रीवास्तव को राष्ट्रीय सचिव से राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत किया गया।

# उत्तराखंड के चुनाव को करूंगा लीड बाद में तय होगा सीएम का नाम : हरीश

» राहुल गांधी संग बैठक के बाद बोले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। दिल्ली में राहुल गांधी के साथ हुई बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि चुनाव मैं लीड करूंगा, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा ये चुनाव के बाद ही तय होगा। इसके बाद अब हरीश रावत के ट्वीट के बाद उत्तराखंड कांग्रेस में मचा घमासान सुलझता नजर आ रहा है। शुक्रवार को दिल्ली में पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने हरीश रावत सहित उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेताओं से बात की। जिसके बाद हरीश रावत ने मीडिया से कहा कि वह आगामी विधान सभा चुनाव लीड करेंगे।

हरीश रावत के साथ पार्टी प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मंत्री यशपाल आर्या, नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, सांसद प्रदीप टम्टा, पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली तलब किया गया था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस बीच प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के निर्देश पर पार्टी स्तर की सभी बैठकें और कार्यक्रम भी स्थगित कर दिए थे। हरीश रावत ने ट्वीट कर कहा था कि, है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र को तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर करके खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है, सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं। जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। मन में बहुत बार विचार आ रहा है कि हरीश रावत अब बहुत हो गया, बहुत तैर लिए, अब विश्राम का समय है! इसी के बाद उत्तराखंड की सियासत में ऊहापोह की स्थिति पैदा हो गई थी। हरीश रावत ने कहा था कि 'यकिन रखिए, हरीश रावत उत्तराखंड और उत्तराखंडियत के लिए लड़ता रहा है और लड़ता रहेगा। वह कांग्रेस पार्टी को भी छोड़कर कहीं नहीं जा रहा है। वह मरते दम तक कांग्रेस में ही रहेगा और पार्टी की भलाई के लिए काम करता रहेगा।'

# विपक्ष को हर काम अपना बताने की बीमारी : केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अमूल प्लांट को लेकर की जा रही टिप्पणियों को लेकर कहा कि विपक्ष को किसी भी कार्य को अपना बताने की मानसिक बीमारी हो गई है।

जनविश्वास यात्रा पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पर जनता ने 2014 से जितना विश्वास जताया है, उसको लेकर यात्रा निकाली जा रही हैं। इसके तहत जनता के 2014 के विश्वास को 2022 के चुनाव में और भी मजबूती से व्यक्त किया जा सके, इसका विश्वास जताने के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है।

ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे पर कहा कि यूपी सरकार ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए रात्रि 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है। इससे पहले, कानपुर में सपा नेता व इत्र व्यवसायी पीयूष जैन के घर आईटी के द्वारा मारे गए छापे में 150 करोड़ की राशि मिलने पर केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि समाजवाद का मतलब लूटवाद है क्या? गरीबों को लूटने वालों को याद नहीं है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या कहा है। न खाऊंगा, न खाने दूंगा। जो खाया वह भी निकाल कर गरीबों को समर्पित कर दूंगा। गौरतलब है कि केशव शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे थे।

# कांग्रेस नेता समेत कई बसपाइयों ने थामा कमल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा का कुनबा बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा प्रदेश के पूर्व गृह व वन-पर्यावरण मंत्री राजेन्द्र त्रिपाठी (प्रयागराज), झांसी के बबीना से बसपा के पूर्व विधायक कृष्ण पाल सिंह राजपूत, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी व पूर्व एडीजी गुरुबचन लाल, बिजनौर निवासी रालोद के प्रदेश महामंत्री मुनि देव शर्मा समेत कई अन्य दलों के नेता अपने समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हो गए।

**विधान सभा चुनाव से पहले जोड़-तोड़ की राजनीति तेज**

इन सभी ने भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में पार्टी की ज्वाइनिंग कमिटी के अध्यक्ष लक्ष्मीकान्त बाजपेई और प्रदेश उपाध्यक्ष व ज्वाइनिंग कमिटी के सदस्य दया शंकर सिंह की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इनके अलावा बसपा के मंडल व सेक्टर प्रभारी आगरा तथा मेरठ के कोआर्डिनेटर वीर सिंह प्रजापति (बुलन्दशहर), सपा के संस्थापक सदस्य कुंवर बलबीर सिंह चौहान, सीतापुर के पूर्व सांसद गनेशी लाल चौधरी की पुत्रवधु तथा झांसी के व्यापारी नेता सुशील गुप्ता भी अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इस मौके पर लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय को आत्मसात करके हम सभी मिलकर प्रदेश में फिर भाजपा सरकार बनाएंगे।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# रथयात्राओं से उत्तर प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करेगी आम आदमी पार्टी

» पांच रथ यात्राएं निकालने की तैयारी में पार्टी

» 2 जनवरी को लखनऊ में आयोजित होगी मेगा रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रथ यात्रा की दौड़ में शामिल होते हुए आम आदमी पार्टी राज्य के लिए अपने एजेंडे के साथ लोगों तक पहुंचने की कोशिश में पांच रथ यात्राएं निकालेगी। इस यात्रा का नेतृत्व पार्टी सांसद और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह करेंगे। आप के यूपी प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह के अनुसार, यह यात्रा दो जनवरी को लखनऊ में होने वाली मेगा रैली के ठीक बाद शुरू होगी और इसे आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल संबोधित करेंगे।

यह रैली 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की आधिकारिक शुरूआत करेगी। लखनऊ में इससे पहले भी 28 नवंबर को रमा बाई आम्बेडकर रैली स्थल में अरविंद केजरीवाल की सभा प्रस्तावित थी। आम आदमी पार्टी ने बाद में इसको स्थगित कर दिया था। सभाजीत सिंह ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए आप की प्रतिबद्धताओं को प्रचारित करना है और दिल्ली से पार्टी के अन्य वरिष्ठ सदस्य कार्यक्रम में शामिल होंगे। अब तक दो चुनावी वादों, जिसमें एक मुफ्त बिजली और बकाया बिजली बिल की माफी और दूसरा साल में 10 लाख नौकरियों की घोषणा की है। अब सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार गारंटी सभा आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में हम दिल्ली के विकास मॉडल के बारे में लोगों से बात करेंगे कि आप सरकार ने क्या काम किया है और अगर हम चुने जाते हैं तो हम यूपी में क्या करने की योजना बना रहे हैं। इन बैठकों को स्थानीय पदाधिकारी संबोधित करेंगे। हम दिल्ली से वरिष्ठ नेताओं के आने की भी उम्मीद कर रहे हैं, खासकर ऐसे विधायक जिनका यूपी से संबंध है। उन्हें उनके स्थानीय जिलों में प्रचार करने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाएगा।

## चुनाव में अकेले उतरने की तैयारी में आम आदमी पार्टी

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल पांच रथ यात्राएं निकालने की तैयारी में हैं, जिसका सीधा असर सपा के वोटों में बंटवारे के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि इसके पहले भी केजरीवाल रैली की घोषणा कर चुके थे लकिन बीच में अखिलेश यादव से गठबंधन की बातचीत शुरू हो चुकी थी शायद इसी वजह से उनकी वह रैली स्थगित कर दी गई थी। अब एक बार फिर से वे मैदान में अकेले उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

## इन पांच जगहों पर निकलेगी यात्रा

प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने बताया कि पहली यात्रा वाराणसी से लखनऊ, दूसरी सहारनपुर से नोएडा, तीसरी हरदोई से मुरादाबाद, चौथी झांसी से महोबा और आखिरी सरयू से संगम की होगी, जो प्रयागराज के हैं।

## चर्चा में रही तिरंगा यात्रा

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर अपनी पार्टी के अभियान को धार देंगे। केजरीवाल जहां लखनऊ में चुनाव प्रचार अभियान को शुरू करेंगे। वहीं यात्राओं पर भी जोर देंगे। इससे पहले पार्टी ने अयोध्या और लखनऊ में तिरंगा यात्रा शुरू की थी, जिसकी चर्चा यूपी के कोने-कोने तक हुई। तिरंगा यात्रा में लाखों की भीड़ उमड़ी थी, जिससे भाजपा ने कई आरोप भी लगाए थे। यूपी में निकली इन तिरंगा यात्राओं पर कांग्रेस ने दिल्ली की दुर्दशा को लेकर भी आम आदमी पार्टी को घेरा था।

# अब मुस्लिम वोटरों को रिझाने की तैयारी में भाजपा, चलाएगी अभियान

» संघ से जुड़े मुस्लिम संगठनों को दी गई जिम्मेदारी, विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे कार्यक्रम

» मुस्लिम समुदाय के लिए किए गए सरकारी कार्यों की टीम देगी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा सभी कील कांटे दुरुस्त करने में जुट गयी है। वह हर वर्ग के वोटरों के बीच पैठ बनाने में जुटी है। इसी क्रम में भाजपा के दिग्गजों की नजर अब मुस्लिम वोटरों पर है। मुस्लिम समुदाय में पैठ बढ़ाने के लिए संघ से जुड़े संगठनों को लगाया गया है। ये मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में अभियान चलाकर प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी भी देंगे।

योगी सरकार की उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी के लिए अब मुस्लिम समुदाय के लोग भी मोर्चा संभालने वाले हैं। आरएसएस से जुड़े मुस्लिम संगठन ने यह प्लानिंग की है। राष्ट्रीय मुस्लिम मंच ने दावा किया है कि अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव में योगी सरकार की वापसी के लिए मुस्लिम महिलाएं और मौलाना अभियान चलाएंगे। मंच की तरफ से इन अभियानों की रूपरेखा तैयार की जा रही है और इसे लेकर यूपी के इटावा और देवबंद में आरएसएस के इंद्रेश कुमार ने एक बैठक भी की है। आरएसएस से जुड़ा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच लगातार इन अभियानों को धार देने में जुटा है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच यूपी में कई कार्यक्रम मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में करने जा रहा है, जिनसे मुस्लिमों को भाजपा के पक्ष में लामबंद किया जा सके। इन अभियानों की शुरूआत जनवरी माह में होगी, जिसमें आरएसएस के इंद्रेश कुमार समेत कई संघ के लोग मौजूद रहेंगे। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर राजा रईस ने बताया कि योगी सरकार में मुस्लिम सुकून से रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ मिलने में कोई धार्मिक भेदभाव नहीं हुआ। वहीं तीन तलाक से भी महिलाओं को निजात मिली। ऐसी तमाम योजनाएं हैं, जिनसे मुसलमान को काफी फायदा हुआ है। इन मुद्दों को लेकर मुस्लिम महिलाएं और मौलानाओं की एक टीम बनाई जा रही है।

## हर जिले में होगी बैठक

हर जिले में बैठक अयोजित की जाएगी। इसके तहत ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम महिलाएं और मौलानाओं को जोड़ने का काम किया जाएगा। इटावा और देवबंद में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की तरफ से कार्यक्रम किए गए, जिसमें आरएसएस के इंद्रेश कुमार मौजूद रहे। अब यह कार्यक्रम यूपी में लगातार जारी रहेंगे। मंच की कोशिश है कि राष्ट्रवादी मुस्लिमों को लामबंद किया जाए।

## महिलाएं भी जुटेंगी चुनावी अभियान में

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने तीन तलाक के दर्द से निजात पाने वाली महिलाओं को अपने अभियान में जोड़ने का काम किया है, जिससे यह मुस्लिम महिलाओं के बीच जाकर उनको अपने अभियान में भावनात्मक रूप से जोड़ें। वहीं मंच ने जनवरी में एक दर्जन बैठकें करने का निर्णय लिया है। इसके बाद 7 जनवरी से मंच की तरफ से पूरे प्रदेश में पद यात्राएं और बैठकें की जाएंगी। अगले साल फरवरी से मार्च के बीच विधान सभा चुनाव होंगे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# प्रतिबंधों की वापसी के मायने

**उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में नाइट कर्फ्यू के साथ अन्य पाबंदियां लगायी जा चुकी हैं। विशेषज्ञ भी अब तीसरी लहर की आशंका जताने लगे है। चुनावी राज्यों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ने को लेकर हाईकोर्ट तक चिंतित दिख रहा है और चुनाव टालने की अपील सरकार से की है। सवाल यह है कि देश में तीसरी लहर की आहट क्यों सुनायी देने लगी है?**

*कोरोना के बढ़ते केसों और नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की रफ्तार के चलते देश में एक बार फिर पाबंदियों का सिलसिला शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में नाइट कर्फ्यू के साथ अन्य पाबंदियां लगायी जा चुकी हैं। विशेषज्ञ भी अब तीसरी लहर की आशंका जताने लगे है। चुनावी राज्यों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ने को लेकर हाईकोर्ट तक चिंतित दिख रहा है और चुनाव टालने की अपील सरकार से की है। सवाल यह है कि देश में तीसरी लहर की आहट क्यों सुनायी देने लगी है? क्या सरकार और जनता की लापरवाही के कारण हालात बिगड़ने की कगार पर पहुंच चुके हैं? दूसरी लहर की हाहाकारी स्थितियों से सबक क्यों नहीं लिया गया? क्या चुनावी राज्यों में रैलियों और रथयात्राओं के आयोजनों को रद्द नहीं किया जाना चाहिए? चुनाव आयोग के तमाम निर्देशों की धज्जियां क्यों उड़ाई जा रही है? क्या एक और लॉकडाउन देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में नहीं पहुंचा देगी? क्या तीसरी लहर से निपटने के लिए जरूरी संसाधन केंद्र और राज्य सरकारों ने जुटा लिए हैं? अभी भी बच्चों के वैक्सीनेशन की शुरुआत क्यों नहीं की गयी है?*

*पिछले दो सालों से कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले रखा है। यह लगातार अपने रूप बदल रहा है। अब नए ओमिक्रॉन वेरिएंट ने देश में दहशत पैदा कर दी है। वहीं कोरोना का डेल्टा वेरिएंट अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और उसने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। ओमिक्रॉन महाराष्ट्र, दिल्ली और यूपी समेत देश के 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। संक्रमण के मामले में यह डेल्टा वेरिएंट से कई गुना अधिक खतरनाक है। यही वजह है कि विशेषज्ञों ने इसके कारण तीसरी लहर की आशंका जता दी है। हैरानी की बात यह है कि डेल्टा वेरिएंट के समय कई लाख लोगों की मौत के बावजूद न सरकार न ही जनता ने कोई सबक सीखा है। वे लगातार कोरोना गाइडलाइन की धज्जियां उड़ा रहे हैं। यही नहीं विदेश से आने वाले तमाम यात्री कोरोना जांच से बच रहे हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि इस वेरिएंट से संक्रमित कई लोगों में लक्षण नहीं दिख रहे है। ऐसे में संक्रमण का खतरा और भी बढ़ता जा रहा है। अब जब हालात बिगड़ने की राह पर पहुंचने लगे हैं राज्य सरकारें प्रतिबंध लगाने में जुट गयी हैं। एक बार फिर लॉकडाउन जैसी स्थितियां उत्पन्न होती दिख रही हैं। यह स्थिति न केवल लोगों की रोजी-रोटी के लिए खतरा बन जाएगी बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी गर्त में ढकेल देगी। लिहाजा केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इस समस्या से निपटने की युद्ध स्तर पर तैयारी करनी चाहिए ताकि तीसरी लहर को रोका जा सके।*

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# सत्ता की जरूरत बन गई है भीड़ की हिंसा

श्रवण गर्ग

एक सामान्य और असहाय नागरिक को अपनी प्रतिक्रिया किस तरह से देना चाहिए ? पंजाब कांग्रेस के मुखिया और मुख्यमंत्री पद के दावेदार नवजोत सिंह सिद्धू के इस उत्तेजक बयान पर राहुल गांधी समेत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की ज़ुबानों पर ताले पड़ गए हैं कि (धार्मिक) बेअदबी के गुनहगारों को खुले आम फांसी दे देना चाहिए। अमृतसर और कपूरथला के दो धर्मस्थलों पर पवित्र गुरु ग्रंथ साहब के अपमान की अलग-अलग घटनाओं के सिलसिले में दो लोगों को धर्मप्राण भीड़ ने पीट-पीट मार डाला। जिन लोगों की जानें गईं हैं उनकी पहचान को लेकर किसी भी तरह की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। जिन लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया उनके नाम-पते भी अज्ञात हैं। घटना की जांच रिपोर्ट भविष्य में जब भी सामने आएगी तब तक के लिए सब कुछ रहस्य की परतों में कैद रहने वाला है।

विधान सभा चुनावों के ऐन पहले इन घटनाओं का होना (इसी तरह की एक घटना 2017 के चुनावों के पहले 2015 में हुई थी) और उन पर एक जिम्मेदार नेता की उग्र प्रतिक्रिया लोकतंत्र और न्याय-व्यवस्था की मौजूदगी और प्रभाव के प्रति डर पैदा करती है। सिद्धू की मांग न सिर्फ भविष्य को लेकर चिंताएं उत्पन्न करती है, अतीत की उन तमाम दुर्भाग्यपूर्ण मॉब लिंचिंग घटनाओं को भी वैधता प्रदान करती है जिनमें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोपों में एक समुदाय विशेष के लोगों को अपनी जानें गंवानी पड़ीं थीं। दावे के साथ नहीं कहा जा सकता कि उस तरह की घटनाएं अब बंद हो चुकी हैं। (हरिद्वार में हाल ही में हुई हिंदू संसद में अल्पसंख्यकों के खिलाफ दिए गए उत्तेजक भाषण उसका संकेत है ।) सत्ता की राजनीति ने सबको खामोश कर रखा है। ऐसा लगता है सब कुछ किसी पूर्व-निर्धारित स्क्रिप्ट के मुताबिक ही चल रहा है। किसी समुदाय विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंचाने अथवा बेअदबी करने के आरोप में बिना किसी साक्ष्य, मुकदमे और गवाही के धार्मिक स्थलों अथवा सड़कों पर भीड़ द्वारा ही अगर सजा तय की जानी है तो हमें अपने देश की भौगोलिक सीमाएं उन मुल्कों के साथ समाप्त कर देनी चाहिए जहां धर्म के नाम पर इस तरह की क़बीलाई संस्कृति आज के आधुनिक युग में भी कायम है। हम जिस सिख समाज को अपनी आंखों का नूर मानते आए हैं वह इस तरह के भीड़-न्याय को निश्चित ही स्वीकृति नहीं प्रदान कर सकता। कहना मुश्किल है कि वे तमाम राजनीतिक दल और धर्मगुरु, जो नागरिकों की बेअदबी और जीवन जीने के ईश्वर-प्रदत्त अधिकारों के सरेआम अपहरण के प्रति अपमानजनक तरीके से मौन हैं, जलियांवाला बाग जैसी कुर्बानियों में झुलसकर निकले राष्ट्र को 1947 के दौर में वापस ले जाना चाहते हैं या अक्टूबर 1984 में प्रकट हुए देश के तेजाबी चेहरे की ओर।

अहिल्याबाई होलकर के जिस ऐतिहासिक इंदौर शहर में मैं रहता हूं उसमें 31 अक्टूबर 1984 के दिन इंदिरा गांधी की

हत्या के बाद की आंखों देखी याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। सिख रिहाइशी इलाक़ों में चुन-चुनकर घर जलाए जा रहे थे, धार्मिक स्थल सूने और असुरक्षित हो गए थे। लोग मदद के लिए गुहार लगा रहे थे। आग बुझाने वाली गाड़ियां एक कोने से दूसरे कोने की ओर भाग रहीं थीं। पुलिस चौकियों पर जलते मकानों से सुरक्षित बचाए गए सामानों के ढेर लगे हुए थे। कोई ढाई सौ साल पहले मराठा साम्राज्य के दौरान होलकरों द्वारा निर्मित ऐतिहासिक राजवाड़ा के एक हिस्से में आग लगा दी गई थी। इंदिरा गांधी के अस्थि कलश का जुलूस जब उसी राजवाड़ा की दीवार के नजदीक से गुज़र रहा था उसके जलाए जाने की कालिख इस ऐतिहासिक इमारत और शहर के चेहरे पर मौजूद थी।

वे तमाम सिख जो उस दौर की यंत्रणाओं और अपमान से गुजरे थे उनके परिवार आज उसी शहर में शान और इज्जत से रहते हैं। उन दुर्दिनों के बाद भी किसी ने यह मांग नहीं की कि घटना के दोषियों को सड़कों पर फांसी की सजा दी जानी चाहिए। बेअदबी की घटनाओं के बाद राहुल गांधी की किसी भी संदर्भ में की गई इस टिप्पणी में कि लिंचिंग शब्द भारत में 2014 के बाद आया है, कांग्रेस की असहाय स्थिति और सिद्धू की फांसी की मांग पर भाजपा (और उसके अनुषांगिक संगठनों) की चुप्पी में कट्टरपंथी पार्टी के अपराध बोध की तलाशी जा सकती है। सिद्धू के इस आरोप के क्या मायने निकाले जाने चाहिए कि 'एक समुदाय के खिलाफ साजिश और कट्टरपंथी ताक़तें पंजाब में शांति भंग करने की कोशिश कर रही हैं'? सिद्धू अपनी बात को साफ-साफ क्यों नहीं कहना चाहते? कोई साल भर तक राजधानी दिल्ली के बार्डरों (सिंघु, टिकरी और ग़ाज़ीपुर) पर चले अत्यंत अहिंसक आंदोलन और उसके दौरान कोई सात सौ निरपराध किसानों के मौन बलिदानों से उपजी सहानुभूति के आईने में पंजाब के मौजूदा घटनाक्रम को देखकर डर महसूस होता है। पंजाब के किसानों के सामने चुनौती अब अपनी कृषि उपज को उचित दामों पर बेचने की नहीं बल्कि यह बन गई है कि राज्य की हुकूमत को किन लोगों के हाथों में सौंपना ज़्यादा सुरक्षित रहेगा। किसी भी धर्म या आस्था को लेकर की गई बेअदबी हो अथवा नागरिक जीवन का हिंसा के जरिए असम्मान किया गया हो, क्या दोनों स्थितियां अलग-अलग हैं या एक ही चीज है? अगर अलग-अलग हैं तो दोनों के बीच के फर्क को अदालतें तय करेंगी या यह काम भीड़ के जिम्मे कर दिया जाएगा? दूसरे यह कि क्या ऐसा मानना पूरी तरह से सही होगा कि लिंचिंग की घटनाओं को क़ानूनों के ज़रिए रोका जा सकता है ? कहा जा रहा है कि पंजाब द्वारा केंद्र की स्वीकृति के लिए भेजे गए कानूनी प्रस्तावों को अगर मंजूरी मिल जाती तो बेअदबी की घटनाएं नहीं होतीं। लिंचिंग एक मानसिकता है जो धर्मांधता से उत्पन्न होती है । सिर्फ कानूनी समस्या नहीं है। दुनिया का कोई भी धर्म या कानून भीड़ की हिंसा को मान्यता नहीं देता। दिक्कत यह है कि लिंचिंग को धर्म के बजाय सत्ता की जरूरत में तब्दील किया जा रहा है। मुमकिन है सिद्धू का बयान भी सत्ता की तात्कालिक जरूरत की ही उपज हो।

# बिगड़ रही है नदियों की सेहत

पंकज चतुर्वेदी

एक अनुमान है कि आजादी के बाद से गंगा की सफाई के नाम पर 20 हजार करोड़ खर्च हो चुके हैं। अप्रैल, 2011 में गंगा सफाई की एक योजना सात हजार करोड़ की बनायी गयी। विश्व बैंक से एक अरब डॉलर का कर्ज भी लिया गया लेकिन न तो गंगा में पानी की मात्रा बढ़ी और न ही प्रदूषण घटा। अधिकांश नदियों के स्वच्छता अभियान कागजों, नारों और बजट को ठिकाने लगाने से ज्यादा नहीं रहे हैं। लखनऊ में गोमती पर छह सौ करोड़ फूंके गये तो यमुना कई सौ करोड़ लगाने के बाद भी नाले के मानिंद ही रही। मानवता का अस्तित्व जल पर निर्भर है। आम इंसान के पीने-खेती-मवेशी के लिए अनिवार्य मीठे जल का सबसे बड़ा जरिया नदियां ही हैं। जहां-जहां से नदियां निकलीं, वहां बस्तियां बसती गयीं और विविध संस्कृतियों का विकास हुआ। नदियां पवित्र मानी जाने लगीं, केवल इसलिए नहीं कि इनसे जीवनदायी जल मिल रहा था, इसलिए भी कि इन्हीं की छत्र-छाया में मानव सभ्यता का विकास हुआ।

विकास की बुलंदियों की ओर उछलते देश में नदियां खुद जहर पीने को अभिशप्त है। सरकार में बैठे लोग खुद ही नदियों में गिरने वाले औद्योगिक प्रदूषण की सीमा में जब विस्तार करेंगे तो उम्मीद रखना बेमानी है कि नदियां निर्मल होंगी। नदियां उथली हो रही हैं, रेत निकाल कर उनका मार्ग बदला जा रहा है। खेती से बह कर आ रहे रासायनिक पदार्थ, कल-कारखाने और घरेलू गंदगी नदी को प्रदूषित कर रही है। हमारे देश में 13 बड़े, 45 मध्यम और 55 लघु जलग्रहण क्षेत्र हैं। इसमें हिमखंड, सहायक नदियां, नाले आदि शामिल होते हैं। गंगा, सिंधु, गोदावरी, कृष्णा, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, तापी, कावेरी, पेन्नार, माही, ब्राह्मणी, महानदी, और साबरमती बड़े जल ग्रहण क्षेत्रवाली नदियां हैं। गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सदानीरा नदियों को 'हिमालयी नदी' कहा जाता है। शेष दस को पठारी नदी कहते हैं, जो वर्षा पर निर्भर होती हैं। देश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है जबकि सभी नदियों का सम्मिलत जलग्रहण क्षेत्र 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर है।

भारतीय नदियों से हर साल 1645 घन किलोलीटर पानी बहता है, जो दुनिया की कुल नदियों का 4.4 प्रतिशत है लेकिन, पूरे पानी का 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र की ओर बह जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 2009 में देश में कुल दूषित नदियों की संख्या 121 पायी थी जो अब 275 है। बोर्ड ने 29 राज्यों व छह केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 445 नदियों पर अध्ययन किया, जिनमें से 225 का जल बेहद खराब हालत में मिला। वर्ष 2009 में इन नदियों के किनारे 302 स्थानों पर 38 हजार एमएलडी सीवर का गंदा पानी नदियों में गिरता था, जो आज 62 हजार एमएलडी हो गया। चिंता है कि सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता नहीं बढ़ायी गयी है। सरकारी अध्ययन में 34 नदियों में बायो केमिकल आक्सीजन डिमांड यानी बीओडी की मात्र 30 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक पायी गयी। यह नदियों के अस्तित्व के लिए बड़ा संकट है। भारत में प्रदूषित नदियों के बहाव का इलाका 12,363 किलोमीटर है, इनमें से 1,145 किलोमीटर का क्षेत्र पहले स्तर यानी बेहद दूषित श्रेणी का है। दिल्ली में यमुना शीर्ष पर है, इसके बाद महाराष्ट्र का नंबर आता है, जहां 43 नदियां मरने की कगार पर हैं। असम में 28, मध्यप्रदेश में 21, गुजरात में 17, कर्नाटक में 15, केरल में 13, बंगाल में 17, यूपी में 13, मणिपुर और ओडिशा में 12-12, मेघालय में दस और कश्मीर में नौ नदियां अस्तित्व बचाने के लिए तड़प रही हैं। ऐसी नदियों के 50 किलोमीटर इलाके के खेतों की उत्पादन क्षमता लगभग पूरी तरह समाप्त हो गयी है। इलाके की अधिकांश आबादी चर्मरोग, सांस की बीमारी और पेट के रोगों से बेहाल है। पर्यावरण एवं प्रदूषण विभाग बीते 20 सालों से चेताते रहे, लेकिन आधुनिकता का लोभ पूरे सिस्टम को लापरवाह बना रहा है। विकास का पैमाना निर्माणकार्य है- भवन, सड़क, पुल आदि-आदि. निर्माण में सीमेंट, लोहे के साथ दूसरी अनिवार्य वस्तु है रेत या बालू। प्रकृति का नियम यही है कि किनारे पर स्वत: आयी इस रेत को समाज अपने काम में लाये, लेकिन नदियों का सीना छेद कर मशीनों द्वारा रेत निकाली जा रही है। नदी के जल बहाव क्षेत्र में रेत की परत न केवल बहते जल को शुद्ध रखती है, बल्कि वह उसमें मिट्टी के मिलान से दूषित होने और जल को भूगर्भ में जज्ब होने से भी बचाती है। जब नदी के बहाव पर पॉकलैंड व जेसीबी मशीनों से प्रहार होता है तो उसका पूरा पर्यावरण ही बदल जाता है। नदियों को सबसे बड़ा खतरा प्रदूषण से है। कल-कारखानों की निकासी, घरों की गंदगी, खेतों में मिलाये जा रहे रासायनिक दवा व खादों का हिस्सा, भूमि कटाव और भी कई ऐसे कारक हैं जो नदी के जल को जहर बना रहे हैं। अनुमान है कि जितने जल का उपयोग किया जाता है, उसके मात्र 20 प्रतिशत की ही खपत होती है, शेष 80 फीसदी सारा कचरा समेटे बाहर आ जाता है। नदियां महज जल-मार्ग नहीं हैं, ये बरसात की बूंदों को सहजेती हैं और धरती की नमी बनाये रखती है। जलवायु में हो रहे बदलाव में नदियां ही धरती पर जीवन का आधार हैं और उनमें बहता पानी ही इंसान की सांस की सीमा तय करता हैं।

## खतरनाक है सर्दियों में

# स्वेटर पहनकर सोने की आदत

सर्दी में ठंड से बचने के लिए लोग गर्म कपड़े पहनते हैं। क्योंकि यह ऊष्मा के सुचालक की तरह कार्य करता है और शरीर से निकलने वाली ऊष्मा बंद हो जाती है और बाहर नहीं जाती है। अक्सर देखा गया है कि लोग स्वेटर पहनकर ही घर में सोते हैं लेकिन, यह जरा सी लापरवाही सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार सर्दियों में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। स्वेटर या गर्म कपड़े पहनने से आपका शरीर गर्म रहता है, लेकिन कभी-कभी बेचैनी और निम्न रक्तचाप जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आप गर्म कपड़े पहनना चाहते हैं तो आप थर्मोकोट पहन सकते हैं। इसके अलावा त्वचा पर रैशेज और रैशेज जैसी एलर्जी भी हो सकती है। त्वचा को कोमल बनाए रखने और एलर्जी की संभावना को कम करने के लिए स्वेटर पहनने से पहले एक अच्छी गुणवत्ता वाला बॉडी लोशन लगाना चाहिए।

## मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए जोखिम

गर्म कपड़ों के रेशे सामान्य कपड़े के रेशों की तुलना में मोटे होते हैं। उनके बीच कई एयर पॉकेट हैं जो एक इन्सुलेटर के रूप में कार्य करते हैं। सर्दियों में हम कंबल या कंबल का इस्तेमाल करते हैं। हम भी गर्म कपड़े पहनते हैं। सर्दियों में स्वेटर की गर्मी और कंबल की गर्माहट मधुमेह रोगियों के लिए और खासकर दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों के लिए खतरनाक साबित होती है। इसलिए स्वेटर पहनकर सोने से मना कर देते हैं।

## ऊनी दस्तानों में सोना भी हानिकारक

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऊन में थर्मल इंसुलेशन अच्छा होता है, लेकिन यह पसीने को सुखाने का काम नहीं करता है। यह बैक्टीरिया के जन्म और प्रसार का कारण बनता है। इससे त्वचा भी झड़ जाती है। पैरों के लिए रुई से बने मोजे आरामदायक और पसीने को सोखने वाले होते हैं। इसलिए सलाह दी जाती है कि रात के समय ऊनी दस्तानों के स्थान पर सूती दस्तानों का प्रयोग करें।

**सांस लेने में दिक्कत** गर्म कपड़े पहनकर सोने से ऑक्सीजन ब्लॉक हो सकती है। ऐसे में आपको घबराहट का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही इससे सांस लेने में भी दिक्कत होती है।

**बीपी** ऊनी कपड़े पहनने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती, जिस कारण बीपी और डायबिटीज के मरीजों की समस्या काफी बढ़ सकती है।

## हंसना मना है

लड़का: मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं। लड़की का बाप: कितना कमा लेते हो । लड़का : 18000 हजार महीना। लड़की का बाप :15000 मै अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं लड़का: वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

जब लड़के क्लास में बाते करते है तो... जब लड़के क्लास में बाते करते है तो... मास्टर: बच्चों, तुम लोग शोर मचा रहे हो, क्लास से बाहर जाइए! अगर जब लड़कियां बातें कर रही हों तब... मास्टर: क्या बातें चल रही हैं, जी हमें भी बताओ।

एक लड़की नई नई इंग्लिश सीख रही थी, एक लड़की नई नई इंग्लिश सीख रही थी, लड़की- जानू plz apple my new number...लड़का- onfused... क्या? लड़की- मेरा नंबर apple कर लो ना जल्दी लड़का-अरे पर apple तो सेब होता है! लड़की: जानू मैं भी तो ये ही कह रही हूं कि मेरा नया नंबर सेब कर लो, लड़का बेहोश...

टीचर ने क्लास में पूछा, डेट और तारीख में क्या अंतर है? पप्पू ने कहा, सर डेट पर लड़कियों के साथ जाते हैं और तारीख पर वकील के साथ जाते हैं। जब मैं किसी से बात करती हूं...

## कहानी — मित्र-द्रोह का फल

दो मित्र धर्मबुद्धि और पापबुद्धि हिम्मत नगर में रहते थे। एक बार पापबुद्धि के मन में एक विचार आया कि क्यों न मैं मित्र धर्मबुद्धि के साथ दूसरे देश जाकर धनोपार्जन करूं। बाद में किसी न किसी युक्ति से उसका सारा धन ठग-हड़प कर सुख-चैन से पूरी जिंदगी जीऊंगा। इसी नियति से पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि को धन और ज्ञान प्राप्त होने का लोभ देते हुए अपने साथ बाहर जाने के लिए राजी कर लिया। शुभ-मुहूर्त देखकर दोनों मित्र एक अन्य शहर के लिए रवाना हुए। जाते समय अपने साथ बहुत सा माल लेकर गये तथा मुंह मांगे दामों पर बेचकर खूब धनोपार्जन किया। अंतत: प्रसन्न मन से गांव की तरफ लौट गये। गांव के निकट पहुंचने पर पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि को कहा कि मेरे विचार से गांव में एक साथ सारा धन ले जाना उचित नहीं है। कुछ लोगों को हमसे ईष्या होने लगेगी, तो कुछ लोग कर्ज के रुप में पैसा माँगने लगेंगे। संभव है कि कोई चोर ही इसे चुरा ले। मेरे विचार से कुछ धन हमें जंगल में ही किसी सुरक्षित स्थान पर गाढ़ देनी चाहिए। अन्यथा सारा धन देखकर सन्यासी व महात्माओं का मन भी डोल जाता है। सीधे-साधे धर्मबुद्धि ने पुन: पापबुद्धि के विचार में अपनी सहमति जताई।वहीं किसी सुरक्षित स्थान पर दोनों ने गड्ढे खोदकर अपना धन दबा दिया तथा घर की ओर प्रस्थान कर गये। बाद में मौका देखकर एक रात कुबुद्धि ने वहाँ गड़े सारे धन को चुपके से निकालकर हथिया लिया। कुछ दिनों के बाद धर्मबुद्धि ने पापबुद्धि से कहा: भाई मुझे कुछ धन की आवश्यकता है। अत: आप मेरे साथ चलिए। पापबुद्धि तैयार हो गया।जब उसने धन निकालने के लिए गड्ढे को खोदा, तो वहां कुछ भी नहीं मिला। पापबुद्धि ने तुरंत रोने-चिल्लाने का अभिनय किया। उसने धर्मबुद्धि पर धन निकाल लेने का इल्जाम लगा दिया। दोनों लड़ने-झगड़ते न्यायाधीश के पास पहुंचे। न्यायाधीश के सम्मुख दोनों ने अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत किया। न्यायाधीश ने सत्य का पता लगाने के लिए दिव्य-परीक्षा का आदेश दिया। दोनों को बारी-बारी से अपने हाथ जलती हुई आग में डालने थे। पापबुद्धि ने इसका विरोध किया उसने कहा कि वन देवता गवाही देंगे। न्यायधीश ने यह मान लिया। पापबुद्धि ने अपने बाप को एक सूखे हुए पेड़ के खोखले में बैठा दिया। न्यायधीश ने पूछा तो आवाज आई कि चोरी धर्मबुद्धि ने की है। तभी धर्मबुद्धि ने पेड़ के नीचे आग लगा दी। पेड़ जलने लगा और उसके साथ ही पापबुद्धि का बाप भी, वो बुरी तरह रोने-चिल्लाने लगा। थोड़ी देर में पापबुद्धि का पिता आग से झुलसा हुआ उस वृक्ष की जड़ में से निकला। उसने वनदेवता की साक्षी का सच्चा भेद प्रकट कर दिया। न्यायाधीश ने पापबुद्धि को मौत की सजा दी और धर्मबुद्धि को उसका पूरा धन दिलवाया।

**सीख: मनुष्य का यह धर्म है कि वह उपाय की चिन्ता के साथ अपाय की भी चिन्ता करे।**

## 8 अंतर खोजें

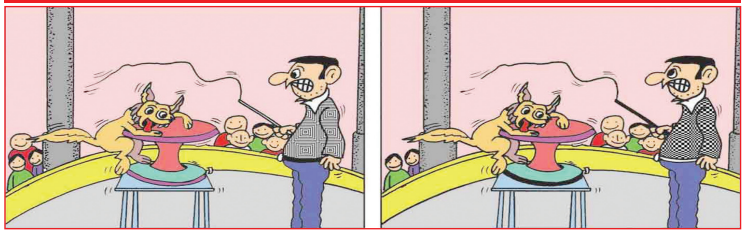

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ जरूरी चीजें ही खरीदें। आज आप अपने चारों तरफ के लोगों के बर्ताव के चलते खीज महसूस करेंगे।

**वृषभ** आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। घर पर किसी रिश्तेदार के आने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। उनके साथ मनोरंजन के लिए कहीं घूमने भी जा सकते हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

**मिथुन** आज नौकरी में अपने सहयोगियों के साथ अपने संदेहों को दूर करने का प्रयास करें। आपके काम की आपके आलोचक भी प्रशंसा करेंगे। संतान की तरफ से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

**कर्क** चूंकि यात्रा के लिहाज से आप अभी कुछ कमजोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ जरूरी चीजें ही खरीदें।

**सिंह** आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अचानक धन लाभ होगा। कई योजनाएं समय से पूरे हो जायेंगे। परिवार में खुशहाली बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी।

**कन्या** आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अचानक धन लाभ होगा। कई योजनाएं समय से पूरे हो जायेंगे। परिवार में खुशहाली बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी।

**तुला** आपको व्यापार के मामले में अपार सफलता मिलने की संभावना है। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। समाज के हित में कार्य करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

**वृश्चिक** अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। अटके घरेलू कामों को अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर पूरा करने की व्यवस्था करें।

**धनु** ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से सक्षम होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा। किसी बड़ी कंपनी के साथ इंटरनशिप करने का मौका मिलेगा।

**मकर** आपके अच्छे व्यवहार और काम की वजह से आप के उच्च अधिकारी आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। कोई नया व्यापार शुरू करने के बारे में आप सोच सकते हैं।

**कुम्भ** धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी।

**मीन** परिवार के सदस्यों के साथ टाइम स्पेंड करने से सबके बीच अच्छी अंडरस्टैंडिंग बनेगी। इस राशि के कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

# एक्शन अवतार में दिखने के लिए तैयार हैं सोनू सूद

अपनी एक्टिंग के दम पर दुनियाभर के दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाने वाले एक्टर सोनू सूद अब एक बार फिर से दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं। सोनू इस बार एक्शन के मोड में दिखाई दे रहे हैं। जल्द ही उन्हें अभिनंदन गुप्ता के निर्देशन में बन रही एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह में देखा जाने वाला है।

**वास्तविक घटनाओं से प्रेरित होगी फिल्म**

वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में सोनू को एक्शन अवतार में देखा जाएगा। सोनू का कहना है, कहानी ने मेरी रुचि को बढ़ा दी है। यह सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है जिस पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे ही मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, मैं इसका हिस्सा बनना चाहता था। मैं इस विचारोत्तेजक कहानी को दर्शकों के सामने लाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

निर्माता ने की सोनू की तारीफ

फिल्म का निर्माण जी स्टूडियोज और शक्ति सागर प्रोडक्शंस द्वारा किया जाएगा। विकास पर टिप्पणी करते हुए, जी स्टूडियो के सीबीओ, शारिक पटेल ने साझा किया कि सोनू एक बेहतरीन अभिनेता हैं। लेकिन पिछले एक साल में उन्होंने जो किया है, वे एक सच्चे हीरो बन गए है। मुझे यकीन है कि इतनी मनोरंजक कहानी में नायक के रूप में बड़े पर्दे पर उनकी वापसी सभी के लिए रोमांचक होगी।

**2022 में शुरू होगी शूटिंग**

बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग 2022 की शुरुआत में शुरू किए जाने की उम्मीद है। सोनू सूद के फैंस अभी से उनकी इस फिल्म के लिए उत्साहित हो गए हैं।

# सौम्या के डांस की मुरीद हुईं नोरा, याद आए पुराने दिन

बॉलीवुड | मसाला

नोरा फतेही इंडियाज बेस्ट डांसर 2 में सिंगर गुरु रंधावा के साथ स्पेशल गेस्ट के रूप में नजर आएंगी। इस मौके पर नोरा ने रियलिटी शो में एक प्रतियोगी के रूप में शानदार परफॉर्मेंस को भी याद किया। उन्होंने कंटेस्टेंट सौम्या के बेली डांसिंग स्किल्स की खूब तारीफें कीं और उन्हें एक कॉइन-बेल्ट उपहार में दी। नोरा फतेही ने उनकी तारीफें करते हुए कहा, सौम्या, आप एक सच्ची कलाकार हैं और आप बेली डांसिंग को दूसरे स्तर पर ले गई है। आपको देखकर, मैं बहुत अभिभूत महसूस करती हूं क्योंकि मुझे एक रियलिटी शो में एक प्रतियोगी होने के अपने दिनों की याद आ रही है। नोरा फतेही और गुरु रंधावा डांस रियलिटी शो में अपने लेटेस्ट गाने डांस मेरी रानी का प्रमोशन करने पहुंचे हैं। शो के दौरान, प्रतियोगी सौम्या और वर्तिका रेशमी रूमाल गाने पर एक अनूठी नृत्य शैली, कालबेलिया का प्रदर्शन करती हैं। कालबेलिया राजस्थान के थार रेगिस्तान का एक आदिवासी नृत्य है। नोरा ने सौम्या की सराहना करते हुए कहा, मुझे आप पर गर्व है कि आपने बेली डांस का प्रतिनिधित्व किया है। मुझे लगता है कि आपको इंडियाज बेस्ट डांसर जीतना चाहिए क्योंकि भले ही बेली डांस सालों से मौजूद है, लेकिन इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान नहीं मिला है। यह मान्यता के योग्य है। आप इस शो को जीतकर ऐसा करेंगी। बता दें कि इंडियाज बेस्ट डांसर 2 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर टेलीकास्ट किया जाता है।

बॉलीवुड | मन की बात

# ब्रेकअप के बाद सुष्मिता ने लिखा शांति बहुत खूबसूरत होती है...

अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने सोशल मीडिया पर रोहमन शॉल से ब्रेकअप का एलान कर दिया। अब सुष्मिता सेन ने ब्रेकअप के बाद पहली पोस्ट की है जिसमें उन्होंने लिखा है- शांति खूबसूरत होती है। सुष्मिता ने अपनी जो तस्वीर साझा की है उसमें उनका साइड प्रोफाइल नजर आ रहा। उनकी नजरें झुकी हुई हैं बालों से उनका आधा चेहरा ढका हुआ है। सुष्मिता की इस तस्वीर पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। बीते रोज सुष्मिता ने इंस्टाग्राम पर रोहमन के साथ अपनी तस्वीर शेयर कर लिखा था 'हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की थी, हम दोस्त बने रहेंगे! रिलेशनशिप खत्म हो गया लेकिन प्यार बना रहेगा! अभिनेत्री ने 2018 में रोहमन को डेट करना शुरू किया था। दोनों लिव इन में रहते थे लेकिन कुछ समय पहले ही रोहमन ने सुष्मिता का घर छोड़ दिया था, जिससे कयास लगाए जा रहे थे कि दोनों के बीच सब ठीक नहीं है। वहीं, सुष्मिता के बाद रोहमन ने भी उनके इस पोस्ट को फिर से शेयर करते हुए अपने अलग होने की पुष्टि कर दी है। खैर दोनों का ब्रेकअप किस वजह से हुआ इसकी जानकारी नहीं है। सोशल मीडिया पर मौजूद तस्वीरों से लेकर वीडियो में रोहमन और सुष्मिता के बीच का जो प्यार और बॉन्ड नजर आता था, उन्हें देख यह कोई नहीं कह सकता कि इनकी उम्र के बीच 15 साल का फर्क है। रोहमान और सुष्मिता की उम्र में 15 साल का अंतर है। सुष्मिता जहां 46 साल की हैं, तो वहीं रोहमन 31 साल के हैं। एक इंटरव्यू में सुष्मिता सेन ने बताया था कि उनके और रोहमन के रिश्ते की शुरुआत इंस्टाग्राम चैटिंग से हुई थी। शुरुआती बातचीत के बाद रोहमन ने उन्हें फुटबॉल मैच देखने के लिए बुलाया, लेकिन सुष्मिता ने साथ में कॉफी पीने की बात कही और इस तरह दोनों के बीच प्यार का सिलसिला शुरू हुआ था।

# दुनिया के विभिन्न देशों में क्रिसमस से जुड़ी अजीबो-गरीब परंपराएं और रीति रिवाज



क्रिसमस का त्यौहार पूरी दुनिया में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस त्यौहार के आने में कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में इसकी तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। वैसे तो किसी भी त्यौहार को मनाने के पीछे बहुत सारी पौराणिक कथाएं और अलग-अलग रीति रिवाज और परंपराएं हैं, जिनमें से कुछ परंपराएं बहुत ही अजीबो गरीब होती जिन्हें सुनकर हमें भी हैरानी होती है। क्रिसमस के त्यौहार से जुड़ी भी कुछ मान्यताएं हैं। तो चलिए आप को बताते है क्रिसमस से जुड़े दुनिया भर के कई सारे रीति रिवाज जिनमें से कुछ काफी अजीब है, कुछ मजेदार और कुछ हैरान कर देने वाले...**आस्ट्रिया**। आस्ट्रिया में क्रिसमस के एक दिन पहले शैतान की वेशभूषा में सजे पुरुष सड़कों पर घूमते हैं। कहा जाता है कि शैतान जैसे दिखने वाले इंसान कैम्पस हैं जो क्रिसमस से पहले बुरे बच्चों को सजा देता है। कैम्पस ऑस्ट्रिया में सेंट निकोलस का एक दुष्ट दुश्मन है वह सेंट निक के अच्छे स्वभाव का ही उलट एक बुरा राक्षस है। वह बुरे बच्चों का अपहरण करने और उन्हें नरक में ले जाने के लिए जंजीर और टोकरी लेकर चलते हैं। वैसे यह बच्चों को सड़कों से दूर रखने का एक तरीका है। **स्पेन-स्पेन** के कैटालोनिया में एक खास रिवाज है कि, लकड़ी के एक लट्ठे को आधा कंबल से ढक दिया जाता है और बाहर बचे हिस्से पर आंख, नाक और चहरा बना दिया जाता है। इसका क्रिसमस के पहले बहुत अच्छे से ध्यान रखा जाता है। इससे अच्छे से खाना खिलाया जाता है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि इसे क्रिसमस की शाम को डंडे से पीटा जाता है ताकि जो भी उसने खाया है वो शौच के रास्ते बाहर निकल जाए। इसके बाद बच्चे कंबल हटा कर अपने गिफ्ट ले लेते है। माना जाता है कि माता- पिता अपने बच्चों के लिए कंबल के नीचे गिफ्ट्स छुपा देते हैं। **यूक्रेन-यूक्रेन** में भी एक अजीबो गरीब परंपरा है यहां क्रिसमस पर घरों पर मकड़ी के जाले जैसी सजावट की जाती है। पुरानी कथाओं के अनुसार कहा जाता है कि एक गरीब विधवा के पास अपने बच्चों के लिए क्रिसमस ट्री सजाने के पैसे नहीं थे। ऐसे में घर की मकड़ियों को परिवार पर दया आई और उन्होंने पूरे पेड़ पर सुंदर जाले बिखेर दिये, जिसे बच्चों ने क्रिसमस की सुबह देखा और खुश हो उठे। यूक्रेनी संस्कृति में मकड़ियों के जाले को भाग्यशाली भी माना जाता है।

अजब-गजब | वो किलर जिसे था कुंवारी लड़कियों के खून से नहाने का शौक

# ये थी दुनिया की सबसे खूंखार सीरियल किलर, जिसने की थीं 650 हत्याएं

दुनिया भर में कई ऐसे खूंखार कातिल है जिन्होंने मासूम लोगों के कत्ल से अपने हाथ रंगे हैं, लेकिन ऐसा मामला भी सामने आया है जहां हैवानियत की सारे हदें पार हो गयी है। दुनिया की सबसे खतरनाक सीरियल किलर एक ऐसी महिला है जो एक बहुत ही खौफनाक शौक पालती थी। एलिजाबेथ बाथरी नाम की ये सीरियल किलर ने 650 कत्ल किए हैं। कत्ल ही नहीं, इस किलर का शौक था कुवारी लड़कियों के खून से नहाना। ये इतिहार का पहला ऐसा मामला है जहां पर एक महिला किलर ने इस तरह ही खौफनाक मौतें मासूम लड़कियों को दी हों। ये बात 400 साल पुरानी है। हंगरी साम्राज्य की एलिजाबेथ बाथरी एक हाई प्रोफाइल महिला थी जो कि एक खूंखार कातिल बन गई। ये सारे कत्ल 1585 से 1610 के बीच हैं जहां पर इस खूनी ने अपने ही महल में करीब 650 कुवारी लड़कियों का बेरहमी से कत्ल कर दिया। एलिजाबेथ बाथरी अपने एक अजीब शौक की वजह से एक खौफनाक कातिल बन गई। एलिजाबेथ हमेशा ज्कवान बने रहना चाहती थी। इसी के लिए किसी अंध विश्वास के चलते उसे ये पता चला था कि अगर वो कुंवारी लड़कियों के खून से नहाएगी तो जिंदगी में कभी बढ़ावा उसके नजदीक भी नहीं आएगा। ऐसा करने से वो उम्र में बूढ़ी होने पर भी जिंदगीभर जवान और खूबसूरत बनी रहेगी। खूबसूरती के इसी लालच ने उसे एक खूंखार कातिल बना दिया। अपनी खूबसूरती बचाए रखने के लिए उसने 600 से भी ज्यादा लड़कियों का कत्ल किया और उनके खून से नहाया। दस्तावेजों की मानें तो एलिजाबेथ ने अपने नौकरों के साथ मिलकर इन ल?कियों का बेरहमी से कातिल किया था। उसके महल से कई लड़कियों के कंकाल के साथ ही साथ सोने-चांदी के आभूषण भी मिले थे जो कि आमतौर पर लडकियां इस्तेमाल करती हैं। 1610 में हंगरी के राजा ने इस हैवानियत के लिए उसे गिरफ्तार करवाया। कैद में ही करीब 4 साल बाद उसकी मौत हो गई। एलिजाबेथ के जीवन पर कई किताबें लिखी जा चुकी हैं। यहां तक कि उस पर फिल्?में भी बनाई गई हैं।

# रंग-बिरंगी रोशनी से नहाए गिरजाघर प्रभु यीशु ने लिया जन्म

## मसीही समुदाय में दिखा उल्लास, की गयीं प्रार्थनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। रंग-बिरंगी रोशनी में नहाए गिरजाघरों में सांझ ढलने के साथ ही उल्लास दिखने लगा। देर रात प्रभ यीशु ने जन्म लिया। बधाई गीतों के बीच प्रभु यीशु की पूजा की गई। बाल यीशु की मूर्ति का अभिषेक किया। 12 बजते ही गिरजाघरों के घंटे-घड़ियाल बजने लगे। खुशियां छा गईं।**

लखनऊ के कैथेड्रल चर्च, क्राइस्ट चर्च और आगरा के सेंट मेरीज चर्च में प्रभु के जन्म पर पूजा की गयी। कैथेड्रल चर्च में प्रभु यीशु के जन्म पर झांकी सजाई गयी। वहीं बैप्टिस्ट गिरजाघरों में कहीं शाम आठ बजे से तो कहीं रात 11 से 12 बजे तक जन्म की पूजा प्रार्थना की गईं। इस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया। सर्द हवाओं के बीच मसीही विश्वासियों ने गिरजाघरों में कैंडल जलाईं और बधाई गायन में हिस्सा लिया। देर रात तक मसीह संस्थानों और घरों में क्रिसमस का उल्लास छाया रहा। लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। फादर मून लाजरस ने बताया कि प्रभु के जन्म के बाद आज सुबह गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं हुई।

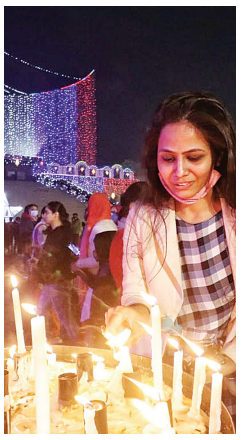

# शोपियां मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने मार गिराए दो आतंकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के जिला शोपियां में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ अब समाप्त हो गई है। सुरक्षाबलों ने चौगाम इलाके में छिपे लश्कर-ए-तैयबा के दोनों आतंकियों को मार गिराया है। हालांकि उन्हें मारने से पहले सुरक्षाबलों ने आत्मसमर्पण करने के कई बार मौके दिए परंतु आतंकियों ने हथियार डालने से इंकार करते हुए गोलीबारी का सिलसिला जारी रखा।**

जानकारी के अनुसार तड़के ही सुरक्षाबलों को चौगाम इलाके में कुछ आतंकवादियों के देखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के तुरंत बाद ही एसओजी के जवान सेना की 44 आरआर बटालियन के साथ मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। वहीं इलाके में छिपे आतंकियों ने जब सुरक्षाबलों को अपने नजदीक आते देखा तो उन्होंने उन पर गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई से पहले सुरक्षाबलों ने कई बार दोनों आतंकियों को हथियार डालने के लिए कहा परंतु हर अपील पर उन्होंने गोलीबारी जारी रखी। सुरक्षाबलों ने आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा को यकीनी बनाने के बाद बड़े हथियारों का इस्तेमाल करते हुए दोनों आतंकियों को वहीं ढेर कर दिया। मारे गए आतंकियों की फिलहाल पहचान जाहिर नहीं की गई है परंतु दोनों आतंकी लश्कर से संबंधित बताए जाते हैं।

# आजमगढ़ में धू-धू कर जली कार, दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**ट्रक की टक्कर से हुआ हादसा**

**आजमगढ़। अयोध्या मार्ग पर कंधरापुर थाना के समीप शुक्रवार की रात करीब 11 बजे बड़ा हादसा हो गया। हादसे के दौरान गन्ना लदे ट्रक की टक्कर के बाद कार मौके पर ही धू- धू कर जल उठी। आग लगने और कार क्षतिग्रस्त होने की वजह से उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।**

पुलिस के अनुसार कार में जिंदा जलकर मरने वालों में कंधरापुर के रहने वाले असलम (23) पुत्र अबरार और कसानगंज थाना क्षेत्र के खरकौली गांव की दिव्या शामिल हैं। दोनों कार से कहां जा रहे थे, यह बताने की स्थिति में फिलहाल परिवार में कोई नहीं था। प्रारंभिक जांच में इतना पता चला है कि असलम कार लेकर कसानगंज गए थे और वहां से दिव्या को बिठाकर जा रहे थे। सड़क पर इसी बीच गन्ना लदे ट्रक से टक्कर के बाद कार खाई में चली गई और हादसे के बाद बुरी तरह से जलने लगी। इस दौरान उधर से गुजर रहे अन्य वाहन सवार आग की विभीषिका देखने के बाद पूरी तरह से असहाय हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को जानकारी दी।

# तो कोरोना की आड़ में चुनाव टालेगी भाजपा सरकार!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक माननीय न्यायाधीश ने सरकार से चुनाव टालने और रैलियों पर रोक लगाने की अपील की। इसके बाद यह चर्चा गर्म हो गयी है कि क्या यह भाजपा का प्लान बी है? क्या कोरोना की आड़ में भाजपा चुनाव टालना चाहती है क्योंकि जमीनी स्तर पर उसकी स्थिति खराब है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, ममता त्रिपाठी, रंजीव, लेखक रविकांत, उमाशंकर दुबे और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।**

» सीएम योगी से नाराज हैं अधिकांश वर्ग, घोटालों से प्रदेश सरकार की हुई फजीहत

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

अजय शुक्ला ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सामान्य कुछ भी नहीं है। जिनके नाम पर भाजपा ने अपनी सियासी दुकान चलायी उन्हीं प्रभु श्री राम के नाम पर जमीन के घोटाले किए गए। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के नाम पर कई घोटाले हुए। कोरोना के समय पूरे विश्व में यूपी के शासन की फजीहत हुई। पंचायत चुनाव में जनता ने बता दिया था कि वह क्या चाहती है। लिहाजा अब भाजपा डर रही है। ये कोरोना की आड़ में चुनाव टालने की कोशिश कर रहे हैं। ममता त्रिपाठी ने कहा, भाजपा में अंदरखाने खींचतान है। योगी से जनता नाराज है। लिहाजा मोदी के कार्यक्रमों में उनको दरकिनार किया जा रहा है। ऐसे में महामारी एक्ट का सहारा लेकर भाजपा सरकार प्रदेश में चुनाव टाल सकती है।

**परिचर्चा**
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

उमाशंकर दुबे ने कहा, कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ायी जा रही हैं। राष्ट्रपति शासन लगाकर चुनाव करा समीकरण बदलने की कोशिश की जाएगी। रंजीव ने कहा कि यूपी विधान सभा का कार्यकाल 14 मई 2022 है। ऐसे में भाजपा चुनाव टालेगी ऐसा नहीं लग रहा है। विपक्षी दलों ने भी हाईकोर्ट पर कोई सहमति नहीं जतायी है। भाजपा यदि चुनाव टालती है तो इसका उसे नुकसान होगा। रविकांत ने कहा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश को साधने के लिए किसानों की मांगे मानी। हालांकि कई और समस्याएं अभी भी हैं। योगी आदित्यनाथ से सभी नाराज हैं।

## यूपी चुनाव को मुद्दा बनाकर शिवसेना ने भाजपा पर बोला हमला, कहा

# फायदे के लिए चुनाव किए जा सकते हैं स्थगित

» राजनीति की जगह न्याय पर ध्यान दे हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मुंबई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश चुनाव को टालने के अनुरोध के बाद से राजनीति तेज हो गई है। विपक्ष की कई पार्टियां इसका विरोध करने लगी हैं और इसे भाजपा को फायदा पहुंचाने वाला कदम बता रही हैं। इसी क्रम में आज शिवसेना के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में संजय राउत ने उत्तर प्रदेश चुनाव को टालने वाले अनुरोध का विरोध किया है। सामना में पीएम मोदी पर भी तंज कसा गया है। इस संपादकीय में कहा गया है कि पीएम मोदी खुद की सलाह पर अमल नहीं करते हैं।**

शिवसेना ने इस संपादकीय में उल्लेख किया है कि पीएम मोदी ने पहले तो यूपी में बड़े पैमाने पर भीड़-भाड़ वाली रैलियां कीं और फिर कोरोना स्थिति की समीक्षा करने के लिए दिल्ली पहुंच गए। फिर राज्यों को भीड़ से बचने की चेतावनी और सलाह दी लेकिन खुद इस बात पर अमल करना भूल जाते हैं। शिवसेना ने कहा कि कि भाजपा के फायदे के लिए कोरोना की आड़ में विधान सभा चुनाव स्थगित किए जा सकते हैं। .यह भाजपा की बड़ी चाल हो सकती है।

वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी चुनाव टालने के अनुरोध पर भी शिवसेना ने नाराजगी जताई। शिवसेना ने कहा कि हाईकोर्ट कानून का पालन करे और राजनीति में न आए। दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मोदी सरकार से अनुरोध करते हुए कहा था कि कोरोना महामारी के प्रसार पर रोक लगाने के लिए 2022 में होने वाले आगामी यूपी विधान सभा चुनाव को टाल दिया जाए। एनसीपी नेता नवाब मलिक और मजीद मेमन ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि केंद्र उन पांच राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगा सकता है जहां चुनाव होने हैं।

एनसीपी ने दावा किया कि यह केंद्र के लिए राष्ट्रपति शासन की आड़ में कांग्रेस द्वारा शासित पंजाब पर कब्जा करने का एक प्रयास होगा। हालांकि, एनसीपी ने केंद्र से डोर-टू-डोर अभियानों को सीमित करने और रैलियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया।

# सिद्धू के तेवर से बैक फुट पर आलाकमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी बिना सीएम चेहरे के चुनाव उतरने का मन बना रही है। पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी के अंदरूनी हालात और पंजाब के वर्तमान हालात से पार्टी नेतृत्व को अवगत करवा दिया है। इसके पीछे यह कारण भी माना जा रहा है कि हाईकमान इस पद के प्रबल दावेदारों में शामिल प्रदेश कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू को नाराज नहीं करना चाह रहा है। सिद्धू के अलावा इस पद के दावेदारों में सुखजिंदर सिंह रंधावा और प्रताप सिंह बाजवा के नाम चर्चा में हैं।**

पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के कांग्रेस को अलविदा कहने के तुरंत बाद कांग्रेस हाईकमान ने

घोषणा की थी कि 2022 के चुनाव में चरणजीत चन्नी ही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे लेकिन सिद्धू के तेवरों को देखते हुए हाईकमान को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा है। चन्नी सरकार में सिद्धू का इतना दखल है कि सभी अहम फैसले उनकी पसंद के हिसाब से ही हो रहे हैं। फिलहाल पार्टी के भीतर आपसी खींचतान जारी है।

# नये अंदाज में दिखे कुमार विश्वास सियासत पर किये चुटीले प्रहार

**रामकथा के जरिये गांधी और अटल जी को किया याद**

## सांइटिफिक कन्वेंशन सेंटर में अटल राम संकल्प, अपने-अपने राम का किया गया आयोजन

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी फाउंडेशन की ओर से साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अटल राम संकल्प, अपने-अपने राम कार्यक्रम में विख्यात कवि कुमार विश्वास अलग अंदाज में दिखे। वह कथावाचक की भूमिका में दिखे। उन्होंने श्रीराम की मर्यादा में महात्मा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी जैसी शख्सियतों के गुणों को बेहद रोचक ढंग से पिरोकर वर्तमान राजनीति पर चुटीले प्रहार किए।

कुमार विश्वास ने कहा कि घायल जटायु प्रभु श्रीराम से मिले। उन्होंने पूछा, ऊपर आपके पिता मिलेंगे तो उनसे कुछ कह दूं? इस पर राम ने कहा कि सीता हरण की बात पिता को मत बताना। अगर मैं उनकी औलाद हूं तो यह बात रावण खुद ऊपर जाकर मेरे पिता को बताएगा। यह उनका अंहकार नहीं, बल्कि मर्यादा थी। स्वाभिमान था। यही बात गांधी जी में थी। वह राम से प्रेरित थे। जैसे राम को क्रोध नहीं आता था, वैसे ही अटल जी क्रोधहीन व्यक्ति थे।

मुस्कुराकर कह देने की कला उन्हें राम से जोड़ती है। उन्होंने कहा मैं यहां आया हूं अब संकेत जुड़ने शुरू हो जाएंगे। मीडिया को मसाला मिल जाएगा। उत्तर प्रदेश से बड़े दुनिया में सिर्फ छह देश है। चुनावी समय है। जब राम उतरने वाला हो तो बाकी सबको विराम दे देना चाहिए। भक्त होकर सुनेंगे तो अच्छा लगेगा विभक्त होकर नहीं। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को हैरी पॉटर जैसे किरदार पढ़ाए जाते थे, जिनकी खुद की मेधा कुछ नहीं वह झाड़ पर बैठा उड़ता है। हमने भी झाड़ू उठायी थी। इस पर श्रोताओं ने ठहाके लगाए। केशव प्रसाद मौर्य देरी से कार्यक्रम में पहुंचे। इस पर कुमार विश्वास ने कहा कि पहले तानसेन गाते थे, मृग आते थे मैंने गाया तो उपमुख्यमंत्री आ गए। इस मौके पर सीएम योगी और कानून मंत्री बृजेश पाठक भी मौजूद रहे।

**इन्हें मिला सम्मान**

इस मौके पर अटल बिहारी वाजपेयी के मित्रों में शामिल नानक चन्द, हरिश्चन्द्र अग्रवाल, विनोद सोनकर, राजेन्द्र अग्रवाल, चंद्रिका प्रसाद लोधी, रागिनी रस्तोगी, उर्मिला मिश्र, राम औतार कनौजिया, वेदप्रकाश त्रिवेदी, अंजनी श्रीवास्तव, एसपी तिवारी, शिखा गोयल को सम्मानित किया गया। वहीं, नगर निगम डिग्री कॉलेज की ओर से आयोजित क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं हिमांशु पटेल, अनुराग विश्वकर्मा, विश्वराज सिंह, अभिषेक तिवारी को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

### तो कृषि कानून को मिलेगा नया रूप, कृषि मंत्री बोले

# एक कदम पीछे खींचा है, हम फिर आगे बढ़ेंगे

- सरकार निराश नहीं बल्कि आगे की सोच रही
- आंदोलन के बाद सरकार वापस ले चुकी है कृषि कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नागपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने महाराष्ट्र के नागपुर के एक कार्यक्रम में चौंकाने वाला बयान दिया। तोमर ने कहा कि देश भर में लाखों किसानों के विरोध प्रदर्शन के बाद पिछले महीने सरकार द्वारा वापस ले लिए गए तीन कृषि कानूनों को नया रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमने तो एक ही कदम तो पीछे खींचा है, फिर आगे बढ़ेंगे क्योंकि किसान भारत की रीढ़ हैं।**

केंद्रीय मंत्री ने विवादास्पद कानूनों को खत्म करने के लिए कुछ लोगों को दोषी ठहराया। कृषि मंत्री ने कहा कि हम कृषि संशोधन कानून लाए लेकिन कुछ लोगों को ये कानून पसंद नहीं आए। ये आजादी के 70 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बड़ा सुधार था लेकिन सरकार बिल्कुल भी निराश नहीं है। हम एक कदम पीछे हटे हैं, हम फिर आगे बढ़ेंगे क्योंकि किसान भारत की रीढ़ हैं। पिछले महीने 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी और पंजाब में चुनाव से ठीक तीन महीने पहले तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया था। गौरतलब है कि कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर हजारों किसानों ने आंदोलन कर रखा था। इस दौरान कई बार सुरक्षाबलों के साथ किसानों की हिंसक झड़प भी देखने को मिली थी। वहीं केंद्र सरकार के लिए मुश्किलें तब खड़ी हो गईं जब लखीमपुर खीरी में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर कार चढ़ा दी गई और इसका आरोप केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा पर है।

# छात्र-छात्राओं को तोहफा, मुफ्त टैबलेट स्मार्टफोन वितरण अभियान का आगाज

- इकाना स्टेडियम में आयोजित किया गया कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर 'सुशासन दिवस' के अवसर पर प्रदेश में स्नातक, स्नातकोत्तर, मेडिकल, इंजीनियरिंग और कौशल विकास प्रशिक्षण से जुड़े विद्यार्थियों को मुफ्त टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण की योजना का आगाज किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के इकाना स्टेडियम में योजना का शुभारंभ किया।**

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में नौकरियों के निकलते ही वसूली शुरू हो जाती थी। भाजपा सरकार में नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता अपनायी गयी। यह नये भारत का नया यूपी है। ईमानदार सोच से प्रदेश में दमदार काम हो रहा है। प्रदेश को युवा देश में नंबर वन बनाने के लिए जुटें। पहले चरण में आज एक लाख छात्रों को स्मार्ट फोन और टैबलेट देकर इस योजना का शुभारंभ किया गया है। आईटी और इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने बताया कि यह योजना से युवाओं को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने की दिशा में बड़ी पहल है। स्मार्टफोन और टैबलेट में न सिर्फ पढ़ाई के लिए ऑनलाइन पाठ्यसामग्री मिलेगी बल्कि रोजगार से संबंधित जानकारियां भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि सभी स्मार्ट फोन और टैबलेट में डीजी शक्ति अध्ययन एप इंस्टाल है। एप के जरिये संबंधित विश्वविद्यालय या विभाग विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराएंगे। योजना की नोडल एजेंसी यूपीडेस्को के एमडी कुमार विनीत ने बताया कि सरकार की ओर से आईटी कंपनी इंफोसिस से अनुबंध किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।